>**Title:** Demand to increase the number of beds in the Department of Cardiology, All India Institute of Medical Sciences, (AIIMS), New Delhi.

श्री चन्द्र भूाण सिंह (फर्रुखाबाद) : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से सरकार का ध्यान दिल की बीमारी की ओर आकर्ाित करना चाहता हूं। सफोला हार्ट फाउंडेशन ने एक रिसर्च कराई और सर्वेक्षण कराया। उसमें यह बात सामने आई कि हिन्दुस्तान में 1985 और 2015 के बीच में हार्ट रोग से मरने वालों की संख्या में 103 प्रतिशत की वृद्धि होगी जबकि अमरीका में हिन्दुस्तान से तीन से चार गुना कम हार्ट डिजीज होंगी, चायना नें छ: गुनी कम और जापान में 20 गुनी कम होंगी।

* Not Recorded

अध्यक्ष महोदय, मेरा आपके माध्यम से सरकार से निवेदन है कि नार्दर्न इंडिया में केवल मात्र एक आल इंडिया इंस्टीट्यूट आफ मैडीकल साइंसेस, दिल्ली में है जो इस रोग के इलाज की सबसे बड़ी संस्था के रूप में जानी जाती है और जिसमें सारे देश के लोग इस बीमारी के इलाज के लिए आते हैं, लेकिन वहां कार्डियौलौजी डिपार्टमेंट में बिस्तरों की संख्या बहुत कम हैं और सीरियस से सीरियस पेशेंट को भी बरामदे में लेटना पड़ता है। इस संस्था में पिछले दस वार्ों में बैड्स की संख्या में कोई वृद्धि नहीं हुई है और बीमारों की संख्या में लगातार वृद्धि हो रही है जिसके कारण मरीजों और ह्रदय रोगियों को भारी कठिनाई झेलनी पड़ रही है।

अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से सरकार से आग्रह करना चाहता हूं कि दिल्ली स्थित अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान के कार्डियौलौजी विभाग में बिस्तरों की संख्या बढ़ाने की व्यवस्था की जाए।